# University in News on 03 June 2024

## AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

# योग से उच्च रक्तचाप पर नियंत्रण संभव

लविवि के योग विभाग में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद डॉ. अमरजीत व अन्य। संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

### लविवि के योग विभाग में सेमिनार

लखनऊ। लखनऊ विवि के फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के कोऑर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव के मुताबिक, योग के माध्यम से उच्च रक्तचाप का बेहतर प्रबंधन किया जा सकता है। वे रविवार को विभाग में आयोजित सेमिनार में बोल रहे थे।

डॉ. अमरजीत ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है कि विश्व में 30 से 79 वर्ष की आयु के लगभग एक तिहाई लोगों को उच्च रक्तचाप की समस्या है। भारत में लगभग 18 करोड़ लोग उच्च रक्तचाप के साथ जीवन जी रहे है। पश्चिमोत्तानासन, सर्वांगासन, भुजंगासन, बालासन के साथ ही अनुलोम-विलोम तथा भ्रामरी प्राणायाम के अभ्यास से योग के माध्यम से इनका प्रबंधन किया जा सकता है। डॉ. शिखा गुप्ता ने कहा की उच्च रक्तचाप के प्रबंधन के लिए नेचुरोपैथी चिकित्सा अग्रणी भूमिका निभाती है।

प्रियांजलि पांडेय कहा कि उच्च रक्तचाप दिल को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। दिल की विफलता (हार्ट फेलियर), सीने में दर्द हो सकता है। इससे मस्तिष्क को रक्त और ऑक्सीजन की आपूर्ति करने वाली धमनियों फट या अवरुद्ध हो सकती हैं जिससे स्ट्रोक हो सकता है। इस मौके पर छात्र-छात्राएं, शिक्षक, कर्मचारी उपस्थित रहे।

# लविवि से नौकरी के साथ करें एग्जीक्यूटिव एमबीए

माई सिटी रिपोर्टर

### कोर्स फैकल्टी बोर्ड से पास, 99 हजार रुपये प्रति सेमेस्टर होगी फीस

लखनऊ। एमबीए करने की राह में अब नौकरी की बाधा नहीं आएगी। लखनऊ विश्वविद्यालय कामगारों के लिए अब एग्जीक्यूटिव एमबीए शुरू करने जा रहा है। फैकल्टी बोर्ड से इसका प्रस्ताव पास हो चुका है। एकेडमिक काउंसिल और कार्यपरिषद से मुहर लगने के बाद इसकी शुरुआत होगी। इसकी फीस 99 हजार रुपये प्रति सेमेस्टर प्रस्तावित है।

लविवि के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि काफी विद्यार्थी ऐसे होते हैं जिनको नौकरी की वजह से आगे पढ़ाई का मौका नहीं मिलता है। वहीं नौकरी कर रहे काफी प्रोफेशनल ऐसे होते हैं जो अपनी स्किल बढ़ाना चाहते हैं। इसे देखते हुए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय जो खुद भी प्रबंधन विभाग के शिक्षक हैं, की पहल पर एग्जीक्यूटिव एमबीए का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इस कोर्स में काम कर रहे लोग दाखिला ले सकते हैं। इसकी पढ़ाई हाइब्रिड मोड पर होगी। मतलब कुछ कक्षाएं ऑनलाइन तो कुछ ऑफलाइन मोड पर परिसर में होंगी। कोशिश की जाएगी कि ये कक्षाएं छुट्टी के दिन हों। इससे स्टूडेंट अपनी नौकरी के साथ ही पढ़ाई भी कर सकेंगे।

**दो साल का अनुभव जरूरी**

- एमबीए विभाग के शिक्षक संजय मेधावी ने बताया कि इस पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के लिए न्यूनतम दो साल काम करने का अनुभव होना चाहिए। इसके साथ ही उसे स्नातक उत्तीर्ण होना चाहिए। अभ्यर्थी के हाईस्कूल, इंटरमीडिएट और स्नातक के अंकों और साक्षात्कार के आधार पर दाखिला दिया जाएगा।

### 21 को होगी प्रयोगात्मक परीक्षा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय और सहयुक्त महाविद्यालय के बीए शारीरिक शिक्षा विषय की प्रयोगात्मक परीक्षा 21 जून को सुबह 6 बजे से होगी। इसके लिए नियमित, एग्जेम्प्टेड और छूटे हुए परीक्षार्थियों को परांजपे ग्राउंड पर पहुंचना होगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

## JAGRAN CITY PAGE III

# 'उच्च रक्तचाप के प्रबंधन के लिए नेचुरोपैथी चिकित्सा लाभदायक'

जासं • लखनऊ : 'उच्च रक्तचाप के प्रबंधन के लिए नेचुरोपैथी चिकित्सा अग्रणी भूमिका निभाती है। प्राकृतिक चिकित्सा इस विश्वास पर आधारित है कि मन का शरीर पर गहरा प्रभाव पड़ता है। यह बीमारी के साथ उसके स्रोत को भी संबोधित करता है। प्राकृतिक चिकित्सा दर्शाती है कि दवा लेना ही एकमात्र विकल्प नहीं। इसके प्रबंधन के लिए माथे की पट्टी, हाट फुट बाथ, संतुलित आहार, उचित नींद लेना जरूरी है।' यह जानकारी योग नेचुरोपैथी एक्सपर्ट डा. शिखा गुप्ता ने लवि के फैकल्टी आफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के योग विभाग में आयोजित सेमिनार में दी।



सेमिनार में योग नेचुरोपैथी एक्सपर्ट डा. शिखा गुप्ता • लवि

उच्च रक्तचाप के योगिक प्रबंधन पर हुए सेमिनार में कोआर्डिनेटर डा. अमरजीत यादव ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि विश्व में 30 से 79 वर्ष की आयु के लगभग एक तिहाई लोगों को उच्च रक्तचाप की समस्या है। भारत देश में लगभग 18 करोड़ लोग उच्च रक्तचाप के साथ जीवन जी रहे है।

## PIONEER PAGE 3

# उच्च रक्तचाप स्वास्थ्य की प्रमुख चुनौती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्विद्यालय के फैकल्टी ऑफ़ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के योग विभाग में रविवार को उच्च रक्तचाप का योगिक प्रबंधन पर सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसकी मुख्य वक्ता डॉ.शिखा गुप्ता एवं प्रियांजलि पांडे थी। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। फैकल्टी ऑफ़ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के कोऑर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव ने बताया कि उच्च रक्तचाप स्वास्थ्य की प्रमुख चुनौती है। उच्च रक्तचाप को ख़ामोश हत्यारा कहा जाता है।

डॉ. अमरजीत यादव ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है कि विश्व में 30 से 79 वर्ष की आयु के लगभग एक तिहाई लोगो को उच्च रक्तचाप की समस्या है। भारत देश में लगभग 18 करोड़ लोग उच्च रक्तचाप के साथ जीवन जी रहे है। अगले 10 वर्षों में हृदय रोग से होने वाली पाँच लाख मौतों को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि पश्चिमोत्तानासन, सर्वांगासन, भुजंगासन, बालासन के साथ ही अनुलोम-विलोम तथा भ्रामरी प्राणायाम के अभ्यास से लाभ होता है। इसके अतिरिक्त व्यान मुद्रा के अभ्यास से भी लाभ प्राप्त किया जा सकता है। डॉ. शिखा गुप्ता ने कहा की उच्च रक्तचाप के प्रबंधन के लिए नेचुरोपैथी चिकित्सा अग्रणी भूमिका निभाती है।

प्राकृतिक चिकित्सा इस विश्वास पर आधारित है कि मन का शरीर पर गहरा प्रभाव पड़ता है और यह बीमारी के साथ-साथ बीमारी के स्रोत को भी संबोधित करता है। प्राकृतिक चिकित्सा दर्शाती है कि दवा लेना ही एकमात्र विकल्प नहीं है और इसे अलग से काम नहीं करना चाहिए। इसके प्रबंधन लिए माथे की पट्टी, हॉट फुट बाथ, संतुलित आहार, उचित नींद लेना चाहिए। प्रियांजलि पांडे ने अपने संबोधन में कहा कि हाई ब्लड प्रेशर या उच्च रक्तचाप एक गंभीर चिकित्सा स्थिति है। यह दिल को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। दिल की विफलता (हार्ट फेलियर), सीने में दर्द हो सकता है। यह मस्तिष्क को रक्त और ऑक्सीजन की आपूर्ति करने वाली धमनियों को भी फट या अवरुद्ध कर सकता है, जिससे स्ट्रोक हो सकता है। यह किडनी को भी नुकसान पहुंचा सकता है और किडनी फेलियर का कारण बन सकता है। इस दौरान छात्र-छात्राये, शिक्षक, कर्मचारी तथा आमजन उपस्थित रहे।

## VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

# उच्च रक्तचाप स्वास्थ्य की प्रमुख चुनौती : अमरजीत यादव

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के योग विभाग में उच्च रक्तचाप का योगिक प्रबंधन पर सेमिनार का आयोजन रविवार को हुआ। जिसकी मुख्य वक्ता डॉ.शिखा गुप्ता एवं प्रियांजलि पांडे थी।

फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के कोऑर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव ने बताया कि उच्च रक्तचाप स्वास्थ्य की प्रमुख चुनौती है। उच्च रक्तचाप को खामोश हत्यारा कहा जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है कि विश्व में 30 से 79 वर्ष की आयु के लगभग एक तिहाई लोगो को उच्च रक्तचाप की समस्या है। भारत देश में लगभग 18 करोड़ लोग उच्च रक्तचाप के साथ जीवन जी रहे है। अगले 10 वर्षों में हृदय रोग से होने वाली पांच लाख मौतों को रोका जा सकता है। पश्चिमोत्तानासन, सर्वांगासन, भुजंगासन, बालासन के साथ ही अनुलोम-विलोम तथा भ्रामरी प्राणायाम के अभ्यास से लाभ होता है। इसके अतिरिक्त व्यान मुद्रा के अभ्यास से भी लाभ प्राप्त किया जा सकता है। डॉ. शिखा गुप्ता ने कहा की उच्च रक्तचाप के प्रबंधन के लिए नेचुरोपैथी चिकित्सा अग्रणी भूमिका निभाती है। प्राकृतिक चिकित्सा इस विश्वास पर आधारित है कि मन का शरीर पर गहरा प्रभाव पड़ता है और यह बीमारी के साथ-साथ बीमारी के स्रोत को भी संबोधित करता है। प्राकृतिक चिकित्सा दर्शाती है कि दवा लेना ही एकमात्र विकल्प नहीं है और इसे अलग से काम नहीं करना चाहिए। इसके प्रबंधन लिये माथे की पट्टी, हॉट फुट बाथ, संतुलित आहार, उचित नींद लेना चाहिए। प्रियांजलि पांडे ने अपने संबोधन में कहा कि हाई ब्लड प्रेशर या उच्च रक्तचाप एक गंभीर चिकित्सा स्थिति है। यह दिल को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। दिल की विफलता (हार्ट फेलियर), सीने में दर्द हो सकता है। यह मस्तिष्क को रक्त और ऑक्सीजन की आपूर्ति करने वाली धमनियों को भी फट या अवरुद्ध कर सकता है, जिससे स्ट्रोक हो सकता है। यह किडनी को भी नुकसान पहुंचा सकता है और किडनी फेलियर का कारण बन सकता है। इस दौरान छात्र-छात्राये, शिक्षक, कर्मचारी तथा आमजन उपस्थित रहे।

# लविवि में शारीरिक शिक्षा की प्रयोगात्मक परीक्षा २१ को

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर तथा सहयुक्त महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विषय के बीए द्वितीय, चतुर्थ और छठे समेस्टर के रेगुलर, बैक, एक्जम्पटेड व छूटे हुए सभी छात्र-छात्राओं की शारीरिक शिक्षा विषय की प्रयोगात्मक परीक्षा 21 जून को सुबह 06 बजे से लविवि के परांजपे मैदान पर सम्पन्न होंगी। इसलिए समस्त छात्र-छात्राएं निर्धारित समयानुसार किट तथा फाईल के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराए। उक्त जानकारी लविवि के शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो.रूपेश कुमार ने दी।

## SWATANTRA BHARAT PAGE 4

# देश में 18 करोड़ लोग उच्च रक्तचाप से ग्रस्त

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्विद्यालय के फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के योग विभाग में उच्च रक्तचाप का योगिक प्रबंधन पर सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसकी मुख्य वक्ता डॉ.शिखा गुप्ता

### उच्च रक्तचाप का योगिक प्रबंधन विषय पर सेमिनार

एवं प्रियांजलि पांडे थी। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के कोऑर्डिनेटर डॉ.अमरजीत यादव ने बताया कि उच्च रक्तचाप स्वास्थ्य की प्रमुख चुनौती है। उच्च रक्तचाप को खामोश हत्यारा कहा जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है कि विश्व में 30 से 79 वर्ष की आयु के लगभग एक तिहाई लोगों को उच्च रक्तचाप की समस्या है। भारत में करीब 18 करोड़ लोग उच्च रक्तचाप के साथ जीवन जी रहे है। अगले 10 वर्षों में हृदय रोग से होने वाली पांच लाख मौतों को रोका जा सकता है। पश्चिमोत्तानासन, सर्वांगासन, भुजंगासन, बालासन के साथ ही अनुलोम-विलोम तथा भ्रामरी प्राणायाम के अभ्यास से लाभ होता है। इसके अतिरिक्त व्यान मुद्रा के अभ्यास से भी लाभ प्राप्त किया जा सकता है। डॉ.शिखा गुप्ता ने कहा कि उच्च रक्तचाप के प्रबंधन के लिए नेचुरोपैथी चिकित्सा अग्रणी भूमिका निभाती है। प्राकृतिक चिकित्सा इस विश्वास पर आधारित है कि मन का शरीर पर गहरा प्रभाव पड़ता है और यह बीमारी के साथ-साथ बीमारी के स्रोत को भी संबोधित करता है। प्राकृतिक चिकित्सा दर्शाती है कि दवा लेना ही एकमात्र विकल्प नहीं है और इसे अलग से काम नहीं करना चाहिए। इसके प्रबंधन लिए माथे की पट्टी, हॉट फुट बाथ, संतुलित आहार, उचित नींद लेना चाहिए। प्रियांजलि पांडे ने अपने संबोधन में कहा कि




हाई ब्लड प्रेशर या उच्च रक्तचाप एक गंभीर चिकित्सा स्थिति है। यह दिल को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। दिल की विफलता (हार्ट फेलियर), सीने में दर्द हो सकता है। यह मस्तिष्क को रक्त और ऑक्सीजन की आपूर्ति करने वाली धमनियों को भी फट या अवरुद्ध कर सकता है, जिससे स्ट्रोक हो सकता है। यह किडनी को भी नुकसान पहुंचा सकता है और किडनी फेलियर का कारण बन सकता है। इस दौरान छात्र-छात्राएं, शिक्षक, कर्मचारी तथा आमजन उपस्थित रहे।

## LOKSATYA PAGE 2

# उच्च रक्तचाप स्वास्थ्य की प्रमुख चुनौती है

### एलयू फैकल्टी ऑफ़ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के योग विभाग में कार्यक्रम

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्विद्यालय के फैकल्टी ऑफ़ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के योग विभाग में उच्च रक्तचाप का योगिक प्रबंधन पर सेमिनार हुआ। मुख्य वक्ता डॉ.शिखा गुप्ता एवं प्रियांजलि पांडेय थीं। फैकल्टी ऑफ़ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के कोऑर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव ने बताया कि उच्च रक्तचाप स्वास्थ्य की प्रमुख चुनौती है। उच्च रक्तचाप को ख़ामोश हत्यारा कहा जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है कि विश्व में 30 से 79 वर्ष की आयु के लगभग एक तिहाई लोगो को उच्च रक्तचाप की समस्या है। भारत देश में लगभग 18 करोड़ लोग उच्च रक्तचाप के साथ जीवन जी रहे है। अगले 10 वर्षों में हृदय रोग से होने वाली पाँच लाख मौतों को रोका जा सकता है। पश्चिमोत्तानासन, सर्वांगासन,



भुजंगासन, बालासन के साथ ही अनुलोम-विलोम तथा भ्रामरी प्राणायाम के अभ्यास से लाभ होता है। व्यान मुद्रा के अभ्यास से भी लाभ प्राप्त किया जा सकता है। डॉ. शिखा गुप्ता ने कहा की उच्च रक्तचाप के प्रबंधन के लिए नेचुरोपैथी चिकित्सा अग्रणी भूमिका निभाती है। प्राकृतिक चिकित्सा इस विश्वास पर आधारित है कि मन का शरीर पर गहरा प्रभाव पड़ता है और यह बीमारी के साथ-साथ बीमारी के स्रोत को भी संबोधित करता है। प्राकृतिक चिकित्सा दर्शाती है कि दवा लेना ही एकमात्र विकल्प नहीं है और इसे अलग से काम नहीं करना चाहिए। इसके प्रबंधन लिए माथे की पट्टी, हॉट फुट बाथ, संतुलित आहार, उचित नींद लेना चाहिए। प्रियांजलि पांडे ने अपने संबोधन में कहा कि हाई ब्लड प्रेशर या उच्च रक्तचाप एक गंभीर चिकित्सा स्थिति है। यह दिल को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। दिल की विफलता (हार्ट फेलियर), सीने में दर्द हो सकता है। यह मस्तिष्क को रक्त और ऑक्सीजन की आपूर्ति करने वाली धमनियों को भी फट या अवरुद्ध कर सकता है, जिससे स्ट्रोक हो सकता है।

# एलयू छात्र का २६ लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर प्लेसमेंट



स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संकाय के बीटेक

### हम अपने लक्ष्यों के प्रति निष्ठवान रहते हैं, तो ऊंचाइयों को छूना संभव

ईसीई के छात्र कार्तिक गुप्ता का जर्मन बेस्ड आईटी कंपनी क्वाड्रंट में 26 लाख प्रति वर्ष के पैकेज पर प्लेसमेंट हुआ। लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय एवं अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रो.एके सिंह ने कार्तिक गुप्ता को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि कार्तिक की इस उपलब्धि ने न केवल विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है, बल्कि अन्य छात्रों के लिए भी एक प्रेरणा का स्रोत बना है। यह सफलता दर्शाती है कि कठिन परिश्रम और समर्पण से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें और अपने कौशल को निरंतर विकसित करते रहें। संकाय के डीन प्रो.एके सिंह ने कहा कि कार्तिक की इस उपलब्धि से यह स्पष्ट होता है कि यदि हम अपने लक्ष्यों के प्रति निष्ठवान रहते हैं, तो ऊंचाइयों को छूना संभव है।

प्लेसमेंट सेल इंचार्ज डॉ.हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि कार्तिक ने जर्मनी बेस्ड एआई कंपैटिबल सर्च इंजन कंपनी क्वाड्रंट द्वारा आयोजित असेसमेंट टेस्ट और टेक्निकल इंटरव्यू को उत्तीर्ण किया और सॉफ्टवेयर डेवलपर के पद पर 26 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर चयनित हुए। कार्तिक ने इससे पहले क्वाड्रंट कंपनी मे छः महीने की सॉफ्टवेयर डेवलपर इंटर्न के पद पर पर इंटर्नशिप भी की, जिसमें कंपनी द्वारा उन्हें 1.25 लाख प्रति माह का पैकेज दिया गया था। यह सत्र 2023-2024 का सर्वाधिक पैकेज का प्लेसमेंट रहा है। इससे पहले सत्र 2022-2023 का अधिकतम पैकेज 23.61 लाख रुपये प्रतिवर्ष रहा था। वहीं, 2022-23 में मोनिका यादव एवं अंकित कुमार का ओएनजीसी में सर्वाधिक पैकेज 23.61 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर प्लेसमेंट हुआ था।

## JAGRAN CITY PAGE I

# कटहल से बन सकेगा कृत्रिम जबड़ा, लागत कम और गुणवत्ता भी बेहतर

जागरण संवाददाता • लखनऊ : कटहल से अब कृत्रिम जबड़े का भी निर्माण किया जा सकेगा। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. सीआर गौतम ने अपनी टीम में शामिल शोधार्थी सविता कुमारी, श्वेता, रजत कुमार मिश्रा, सर्वेश कुमार अविनाशी व डा. जायरीन फातिमा के साथ मिलकर यह शोध किया है। उन्होंने टीम के साथ कटहल का प्रयोग करके कंपोजिट मटीरियल बनाया। फिर इससे कृत्रिम जबड़े को तैयार किया। हाल ही में यह शोध पत्र अंतरराष्ट्रीय स्प्रिंगर नेचर ग्रुप के प्रतिष्ठित जर्नल आफ इनार्गेनिक एंड आर्गेनोमैटेलिक पालिमर्स एंड मैटेरिलस में प्रकाशित हुआ है।

लवि के भौतिक विज्ञान में कृत्रिम जबड़े को तैयार करने वाले शोधार्थी श्वेता, सर्वेश कुमार अविनाशी, डा. सीआर गौतम, सविता कुमारी, रजत कुमार मिश्रा • सौजन्य : विभाग

**लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के शिक्षक डा. सीआर गौतम ने अपनी टीम के साथ किया शोध**



कटहल से तैयार कृत्रिम जबड़ा

एसोसिएट प्रोफेसर डा. सीआर गौतम बताते हैं कि सामान्य तौर पर बहुमूलक पदार्थों के प्रयोग से आर्टिफिशियल जबड़े का निर्माण किया जाता है। डेंचर मटीरियल दो तरह के होते हैं। पहला, जिसकी गुणवत्ता और लागत काफी ज्यादा होती है। दूसरा जिसकी गुणवत्ता और लागत कम होती है। इसलिए कम गुणवत्ता वाले पालीमर मटीरियल में लेटेक्स रेजिन (जो कि एक विशेष प्रकार की विधि से बनाया गया है) को डोप करके एक ऐसा कंपोजिट मटीरियल तैयार किया जिसकी गुणवत्ता महंगे वाले मटीरियल से भी बेहतर मिली।

**हीट क्योर तकनीक का प्रयोग :** इस शोध का मुख्य लक्ष्य सस्ता, पर्यावरण अनुकूल और प्रभावी स्ट्रेंथ वाला डेंचर मटीरियल तैयार करना है जो मरीजों के लिए किफायती कीमत में उपलब्ध हो सके। इस कंपोजिट को हीट क्योर तकनीक का उपयोग करके बनाया गया है। इसमें कटहल से 5, 10 और 15 प्रतिशत लेटेक्स रेजिन डोप्ड पाली मिथाइल मेथेएक्रिलेट (पीएमएमए) कंपोजिट मटीरियल तैयार किया गया। जांच के बाद इन तीनों में सबसे ज्यादा 15 प्रतिशत लेटेक्स रेजिन डोप्ड कंपोजिट की स्ट्रेंथ पाई गई।

**इनका भी अहम रोल :** शोध में केजीएमयू के डेंटल विभाग के प्रो. जितेंद्र राव, लखनऊ विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग की प्रोफेसर मोनिषा बनर्जी, एनआइटी राउरकेला की प्रोफेसर मोनालिसा मिश्रा का भी सहयोग रहा है।